संलग्नक– 1 सघन दस्त नियंत्रण पखवाड़े (आई.सी.डी.एफ.) हेतु नियोजन बैठक के लिये एजेंडा

1. आई.सी.डी.एफ. 2015 की उपलब्धि एवं प्रगति समीक्षा।
2. आई.सी.डी.एफ. सफल बनाने के लिये प्रत्येक विभाग की भूमिका पर स्पष्टता।
3. अन्य विभागों के साथ समन्वय स्थापित करने के लिये प्रत्येक विभाग से नोडल अधिकारी के चयन और भूमिका की स्पष्टता।
4. माइक्रो योजना बनाने हेतु पखवाड़े के पूर्व व दौरान आशा एवं ए.एन.एम. को माइक्रो योजना बनाने के लिये मदद करना। आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के साथ गॉव स्तर पर उपलब्ध सूची के तहत पांच बच्चों के घरों की पहचान करने और पखवाड़े के दौरान यात्रा की योजना तैयार करने के लिये इस्तेमाल किया जा सकता है।
5. जिला स्तरीय योजनाः इन पर विवरण शामिल करना चाहिए – ओ.आर.एस. जिंक कार्नर/स्वास्थ्य सुविधाएं/स्कूलों/मोबाईल टीमों आदि, जो आई.डी.सी.एफ. पखवाड़ा का हिस्सा हैं।
6. आवश्यक वस्तुओं (ओ.आर.एस. पाउच और जिंक डिस्पेर्सिब्ल गोलियॉ) के स्टॉक मूल्यांकन।
7- आई.ई.सी. सामग्री का स्टॉक आकलनः ओ.आर.एस.– जिंक पर पहले से ही उपलब्ध सामग्री, हाथ धोने आदि सूचीबद्ध किया जाना चाहिए और वितरण योजना तैयार की जाना चाहिए अतिरिक्त आई.ई.सी. सामग्री भी स्थानीय संदर्भ के अनुकूलन के बाद इस्तेमार किया जाना चाहिए। अतिरिक्त सामग्री का प्रोटोटाइप वेबसाइट पर उपलब्ध करायी जायेगी। www.nrhm.gov.in/www. upnrhm.gov.in
8. मास मीडिया की भागीदारी जैसे टीवी, रेडियो, आदि।
9. अन्य क्षेत्रों की भागीदारी के लिये महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, पंचायती राज, जल एवं स्वच्छता, आई.ए.पी., निजि चिकित्सकों, गैर सरकारी संगठनों का उल्लेख किया।
10. दैनिक सहायक पर्यवेक्षण और समस्या निवारण तंत्र बनाना।
11. एक प्रमुख अस्पताल में निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा आई.सी.डी.एफ. के राज्य/ जिला स्तर उद्घाटन के लिये योजना।